

पुराणेतिहास
पत्र संख्या - DSCC - 13
पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * कुवलयाश्वप्रसङ्गः।
- ऋतध्वजेन कुवलयनामकस्य अश्वस्य प्राप्तिः।
- मदालसाकुवलयाश्वयोः परिणयः।
- कुवलयाश्वस्य पातालगमनम्।
- पातालकेतुदैत्यस्य वधः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * मदालसाचरितम्।
- मदालसायाः प्राणत्यागवृत्तान्तः।
- अश्वतरस्य तपः, मदालसायाः पुनः प्राप्तिश्च।
- ऋतध्वजप्रतिज्ञा।
- मदालसाकुवलयाश्वयोः विहारः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * मदालसायाः पुत्रोल्लापनम्।
- राज्ञा त्रयाणां पुत्राणां नामकरणम्।
- कुवलयाश्वमदालसयोः संवादः।
- त्रिभिः पुत्रैः निवृत्तिमार्गानुसरणम्।
- चतुर्थपुत्रस्य नामकरणम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * अलर्कोपदेशः।
- ब्रह्मविद्योपदेशः।
- वर्णाश्रमधर्माः।
- नित्यनैमित्तिककर्मविवेकः।
- राजधर्मस्य वैशिष्ट्यम्।
- गृहस्थधर्मस्य महत्त्वम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

- * मार्कण्डेयमहापुराणम् (18-26 अध्यायाः), नाग प्रकाशक, दिल्ली।

सहायकग्रन्थाः -

- * मार्कण्डेयमहापुराण एक अध्ययन, वासुदेवशरण अग्रवाल, हिन्दुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद।
- * मार्कण्डेयपुराण एक अध्ययन, प. बट्टीनाथ शुक्ल, चौखम्बा विद्या भवन, काशी।
- * मार्कण्डेयपुराणे मदालसोपाख्यानस्वरूपम्, प्रो.मिनति रथ।

पुराणेतिहास
पत्र संख्या - DSCC - 14
पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|---|--|
| <ul style="list-style-type: none"> * सनत्सुजातीयम्। • सनत्सुजातदर्शनस्योपक्रमः। • मृत्योः स्वरूपनिरूपणम्। • ज्ञानिनां सदाचारनिरूपणम्। | <ul style="list-style-type: none"> • सनत्सुजातं प्रति विदुरस्य निवेदनम्। • जगद्रचनायामीश्वरस्य प्रवृत्तिः। |
|---|--|

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

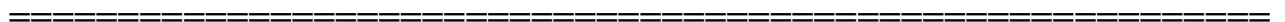
- | | |
|---|--|
| <ul style="list-style-type: none"> * तपः स्वरूपनिरूपणम्। • मौनलक्षणम्। • तपोदोषनिरूपणम्। | <ul style="list-style-type: none"> • वेदाध्ययनमहत्त्वम्। • ब्राह्मणस्वरूपनिरूपणम्। |
|---|--|

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|---|--|
| <ul style="list-style-type: none"> * ब्रह्मतत्त्वनिरूपणम्। • ब्रह्मचर्यं तल्लक्षणञ्च। • गुरुसेवामहत्त्वम्। | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्यमहत्त्वविवेचनम्। • मदादिदोषाणां निरूपणम्। |
|---|--|

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|---|---|
| <ul style="list-style-type: none"> * ब्रह्मणः सर्वकारणत्वम्। • शुद्धकारणकार्यब्रह्मणः स्वरूपोपपादनम्। • योगनिरूपणम्। • ब्रह्मविद्याप्रतिपादनम्। | <ul style="list-style-type: none"> • जीवब्रह्मणोः सहावस्थानम्। • आत्मज्ञानमहत्त्वनिरूपणम्। • योगिभिः ब्रह्मसाक्षात्कारः। |
|---|---|



पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

- * महाभारते उद्योगपर्वणि (41-46 अध्यायाः), गीताप्रेस, गोरखपुर।

सहायक ग्रन्थाः -

- * सनत्सुजातीयम्, शाङ्करभाष्यसहितम्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- * महाभारतसर्वस्वम्, प. कुबेरनाथ शुक्लः, सं.सं.वि.वि. वाराणसी।
- * महाभारतम्, नीलकण्ठचतुर्धरकृतः भारतभावदीपः, नाग पब्लिशर्स दिल्ली।

पुराणेतिहास
पत्र संख्या - DSCC - 15
पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * भूगोलपरिचयः।
- पुराणेषु भूगोलस्वरूपम्।
 - सप्तद्वीपाधिपतयः।
 - जम्ब्वादिसप्तद्वीपानां परिचयः।
 - भूविभाजनकारणानि।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * भुवनकोशस्वरूपम्।
- सुमेरुगिरिः तत्स्वरूपञ्च।
 - अतलादिसप्ताधो लोकाः।
 - सप्तोर्ध्वलोकाः।
 - अनन्तब्रह्माण्डपरिकल्पना।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * जम्बूद्वीपस्थतीर्थादीनां परिचयः।
- सप्तमोक्षपुरीणां परिचयः।
 - नदनदीपर्वतोद्यानारण्यानां परिचयः।
 - तीर्थेषु कर्तव्याकर्तव्यानि।
 - चतुर्धाम्नां महत्त्वम्।
 - प्रसिद्धक्षेत्राणां महत्त्वम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * सृष्टिः।
- पुराणेषु सांख्योक्ता सृष्टिः।
 - श्रीमद्भागवतानुसारेण सृष्टिविस्तारः।
 - नवविधसर्गपरिचयः।
 - सृष्टिपर्यवसानम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

- * पुराणपर्यालोचनम् (1-2 भागः) डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, चौ. सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

सहायक ग्रन्थाः -

- * पुराणदिग्दर्शन, माधवाचार्य शास्त्री, नई दिल्ली।
- * अष्टादश पुराणदर्पण, प. ज्वालाप्रसाद मिश्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- * पुराणपरिशीलनम्, म.म.प.गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
- * पुराणविमर्श, पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- * अष्टादशपुराणपरिचयः, डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अथवा

पाठ्यक्रम विवरणम् -

काशिकास्थाष्टमाध्यायस्य प्रथमपादस्य 16 सूत्राद् द्वितीयं पादं यावत् ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'पदस्य' इत्यतः 'लोट् च' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'पदस्य' इत्यतः 'लोट् च' इत्यन्तम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'विभाषितं सोपसर्गमनुत्तमम्' इत्यतः 'परेश्च घाङ्कयोः' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'विभाषितं सोपसर्गमनुत्तमम्' इत्यतः 'परेश्च घाङ्कयोः' इत्यन्तम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'संयोगान्तस्य लोपः' इत्यतः 'नशेर्वा' इति सूत्रान्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'संयोगान्तस्य लोपः' इत्यतः 'नशेर्वा' इत्यन्तम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'मो नो धातोः' इत्यतः 'तयोर्वावचि संहितायाम्' इति सूत्रान्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'मो नो धातोः' इत्यतः 'तयोर्वावचि संहितायाम्' इत्यन्तम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - काशिका

सहायकग्रन्थाः - (1) न्यासः (2) पदमञ्जरी (3) अष्टाध्यायी-भाष्य-प्रथमावृत्तिः

(4) दीक्षितपुष्पाकृत-अष्टाध्यायीसहजबोधः।

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 15

पाठ्यक्रम विवरणम् -

सञ्ज्ञा-परिभाषाप्रकरणयोः प्रौढमनोरमा , पस्पशाह्निकं महाभाष्यम्।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'ध्यायं ध्यायम्' इत्यतः 'सुदुरोधिकरणे निर्देशात् रेफान्तावपीति तत्रैव हरदत्तः' इति पङ्क्त्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'मतुवसो रु सम्बुद्धौ छन्दसि' इत्यतः 'मय उजो वो वा' इत्यन्तम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'गुणवृद्धिशब्दाभ्याम्' इत्यतः 'प्रक्षालनाद्धि पङ्कस्य दूरादस्पर्शनं वरम्' इति न्यायादिति पङ्क्त्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'विसर्जनीयस्य सः' इत्यतः 'सदिरप्रतेः' इत्यन्तम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'अथ शब्दानुशासनम्' इत्यतः 'यद्येव नित्यः अथापि कार्यः उभयथापि लक्षणं प्रवर्त्यम्' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'स्तन्भेः' इत्यतः 'उपसर्गाद् बहुलम्' इत्यन्तम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे' इत्यतः 'नेमे प्राप्ताः कलादयः' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'कृत्यचः' इत्यतः 'अ अ' इत्यन्तम्।

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - (1) प्रौढमनोरमा, (2) महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्)

सहायकग्रन्थाः – प्रौढमनोरमा - इन्दुकलाव्याख्या

महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्) - (1) प्रदीपोद्योतटीकासहितम्

(2) भीमसेनवेदालङ्कारकृतं व्याख्यासहितम् ।

अथवा
पाठ्यक्रम विवरणम् -
काशिकास्थाष्टमाध्यायस्य तृतीय-चतुर्थपादौ ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'मतुवसो रु सम्बुद्धौ छन्दसि' इत्यतः 'मय उजो वो वा' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'मतुवसो रु सम्बुद्धौ छन्दसि' इत्यतः 'मय उजो वो वा' इत्यन्तम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'विसर्जनीयस्य सः' इत्यतः 'सदिरप्रतेः' इत्यन्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'विसर्जनीयस्य सः' इत्यतः 'सदिरप्रतेः' इत्यन्तम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'स्तम्भेः' इत्यतः 'उपसर्गाद् बहुलम्' इति सूत्रान्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'स्तम्भेः' इत्यतः 'उपसर्गाद् बहुलम्' इत्यन्तम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * 'कृत्यचः' इत्यतः 'अ अ' इति सूत्रान्तो भागः ।
- * आन्तरिकमूल्याङ्कनवाक्परीक्षार्थम् - अङ्कद्वयस्य कृते —
अष्टाध्यायीधारणा - 'कृत्यचः' इत्यतः 'अ अ' इत्यन्तम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - काशिका

सहायकग्रन्थाः - (1) न्यासः (2) पदमञ्जरी (3) अष्टाध्यायी-भाष्य-प्रथमावृत्तिः
(4) दीक्षितपुष्पाकृत-अष्टाध्यायीसहजबोधः।